

शिका
I/O
अजमेरी.

71/2

पचावली जेठ दुई अविबन्धन मज गरी उफा
वरील मज गरी ने जाणव जेठ विना कि वाद ह
वर्षा कराली बंगल कर की हें लं वाद ह गरी
कराली रावेदारान मं काकी जरीबरीत ही मज ह
हानिक गरी मज वाद जाणव करत मं अविबन्धन
सुरक्षित रावते ह्य वाद पतिने विरोध राखिल पंचम
जाणव जाणव ह्य

करत गरी मज वाद मज वाद जाणव मज मं

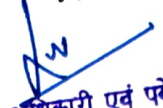
1. म. नं. 0. 2.

हुक्म

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नम्बर व तारीख
अहकाम जो इस
हुक्म की तामिल
में जारी हुए

कठिनाई दुरीक्षण रखने द्वारा जारी कर हालांकि
बाद प्रिये विद्वांस शारीर किण्व पाठ्य है
पुणर्वली कौशल शुभान् दोष नमस्कार के रूप
है बाद वसमील पाठ्य दारिद्र्य दक्षता (वेदना)
भ्रष्टाचार पाठ्य है


उपखण्ड-अधिकारी एवं पब्लिक
इंजिनियर, जैतपुरा (ब्याबसे)

म. नं. 0. 2.